हिन्दी (कक्षा—छः)

सीखने के प्रतिफल	*विषय-वस्तु (थीम) कौशल/ दक्षता*	*प्रस्तावित गतिविधियां (बच्चेइन गतिविधियों को अभिभावक/शिक्षक की मदद से करेंगे।)*
बदली हुई परिस्थिति में निम्न सीखने के प्रतिफल को हर कक्षा में पहले से चले आ रहे सीखने के प्रतिफल के अलावा जोड़ा जाना चाहिए— • ICT का उपयोग करते हुए भाषा और साहित्य (हिंदी) के कौशलों को अर्जित करते हैं। **राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद् (रा.शै.अ.प्र.प.) द्वारा पूर्व-निर्धारित सीखने के प्रतिफल—** • विभिन्न प्रकार की ध्वनियों (जैसे— बारिश, हवा, चिड़ियों की चहचहाहट आदि) को सुनने के अनुभव, किसी वस्तु के स्वाद आदि के अनुभव को अपने ढंग से मौखिक/ सांकेतिक भाषा में प्रकट करते हैं। • रेडियो, टी.वी., अखबार, इंटरनेट में देखी/ सुनी गई खबरों को अपने शब्दों में कहते हैं। • भाषा की बारीकियों/ व्यवस्था पर ध्यान देते हुए उसकी सराहना करते हैं, जैसे— कविता में लय-तुक, वर्ण-आवृत्ति (छंद)। • हिंदी भाषा में विविध प्रकार की रचनाओं को पढ़ते हैं।	''प्रकृति, पर्यावरण और मनुष्य''(मुख्य विषयवस्तु) कक्षा—छः उदाहरण—'वह चिड़िया जो' (कविता) केदारनाथ अग्रवाल (कवि) (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण परिषद् की पाठ्यपुस्तक *वसंत भाग-1*) पीडीएफ़ लिंक— http://ncert.nic.in/textbook/pdf/fhvs101.pdf **नोट**—*आप विषय-वस्तु (थीम) से संबंधित कोई अन्य कविता भी उदाहरण के रूप में ले सकते हैं।* **भाषा-कौशल—** सुनना/देखना, बोलना, पढ़ना-लिखना, ICT आधारित भाषाई दक्षता	• शिक्षक एवं शिक्षिकाएँ उपरोक्त पाठ को वर्तमान संदर्भ से जोड़ते हुए अध्यापन कार्य करें। यह कार्य विद्यार्थियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा (जैसे—ज़ूम कॉल, व्हाटसप समूह कॉल आदि) या फिर वीडियो पढ़ाते हुए रिकार्ड कर विद्यार्थियों को भेजा जा सकता है। विद्यार्थी इसे अपनी-अपनी पाठ्यपुस्तकों में देखें तथा वर्तमान संदर्भ में उपयोगी प्रोजेक्ट/ दत्त कार्य को पूरा करने का प्रयास करें। • क्यूआर कोड (QR Code) में रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा तैयार किया गया एवं प्रदत्त कविता का ऑडियो पाठ। • ऑडियो लिंक— https://ciet.nic.in/pages.php?id=vasant-i&ln=en • कवि एवं कविता के बारे में NROER पर उपलब्ध सामग्री। • प्रकृति, पर्यावरण और मनुष्य के बीच संतुलन के संदर्भ में नई सूचनाओं का गतिविधि के रूप में रचनात्मक उपयोग। • शिक्षण-अधिगम को प्रभावी बनाने के लिए आकलन के उद्देश्य से विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रस्तुतिकरण के लिए प्रेरित करना।